(c) Does not arise.

(d) No, Sir. However, unauthorised operators are prosecuted by the Enforcement Wing of Transport Department of Government of National Capital Territory of Delhi.

Diversion of National Highway 37 at Kaziranga National Park

3024. SHRI BHADRESWAR GOHAIN: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government propose to divert the National Highway at Kaziranga National Park in Assam for protection of the wild life in the park; and

(b) if so, any survey has been made so far by the Government with the details about the survey?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) A proposal to divert NH 37 abutting Kaziranga National Park was under consideration of the Ministry on account of proposed refinery at Numaligarh. The prefeasibility study has revealed that there is no possibility of having a suitable diversion of NH 37 abutting Kaziranga National Park.

मध्य प्रदेश राज्य परिवहन के अंतर्गत चल रही बसें

3025. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जून, 1993 के स्थिति की अनुसार मध्य प्रदेश राज्य परिवहन द्वारा चलाई जा रही बसों की उनके मार्गों की संख्या सहित संख्या कितनी है और 1991-92 और 1992-93 के दौरान उन बसों की संख्या कितनी है जिनके परिचालन को निलम्बित कर दिया गया है और जिनके परिचालन की असमर्थता बता दी गई थी और ऐसी बसों के मार्गों की संख्या कितनी है;

(ख) प्रश्नाधीन वर्षों के दौरान निगम को कुल कितना लाभ हुआ अथवा हानि हुई;

(ग) इस अवधि के दौरान कितनी बसों को अनुपयोगी घोषित किया गया और निगम द्वारा क्रय किये गये वाहनों की संख्या कितनी है; और

(घ) उपरोक्त अवधि में राज्य के छत्तीसगढ़ क्षेत्र में बसों के मार्ग में खराबी होने, बसों के ट्रिप को रद्द करने और इन बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने संबंधी घटनाओं का ब्यौरा क्या है और राज्य के अन्य क्षेत्रों की तुलना में इसका अनुपात कितना है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभापटल पर रख दी जाएगी ।

देश में राज्य परिवहन निगमों द्वारा प्राप्त किया गया लाभ/उठाया गया घाटा

3026. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991-92 और 1992-93 के दौरान देश में राज्य परिवहन निगमों को हुए लाभ/हानि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इन निगमों द्वारा करों और लाभांशों के रूप में राज्य सरकारों को अदा की गई राशि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है एवं राज्य सरकारों से सहायता और ऋण के रूप में उनके द्वारा प्राप्त की गई राशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या इन परिवहन निगमों को अधिक उपयोगी बनाने अथवा उनको समाप्त करने के लिए उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा करने हेतु कोई कार्यवाही की गई है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : (क) वर्ष 1992-93 के आंकड़े सुलभ नहीं है । वर्ष 1991-92 के आंकड़े विवरण में दिए गए है (नीचे देखिये) ।

(ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभापटल पर रख दी जाएगी ।

(ग) सरकार, राज्य सड़क परिवहन निगमों की वास्तविक और वित्तीय कार्य निष्पादन की समीक्षा कर रही है । सरकार ने सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की थी । इस समिति की सिफारिशें टिप्पणियों के लिए राज्य सरकारों को भेजी गई है ।

योजना आयोग ने सड़क परिवहन क्षेत्र के लिए राज्यों की वार्षिक योजनाएं तैयार करते हुए राज्य सरकारों के लिए निम्नलिखित मार्गनिर्देशों की सिफारिश की है :—

(1) रा० स० प० उ० की प्रचालन कुशालता में सुधार हो ।

(2) ऐसे मामलों को छोड़कर जहां निजी क्षेत्र के आने की संभावना न हो, रा० स० प० उ० को धीरे-धीरे निजी क्षेत्र के लिए स्थान बनाना चाहिए ।

(3) रा० स० प० उ० का विस्तार न किया जाए ।

विवरण

विभिन्न राज्य सड़क परिवहन निगमों के निवल लाभ/घाटे दर्शाने वाला विवरण

(करोड़ रु०)

क्रम सं०	राज्य सड़क परिवहन निगम	1991-92 वास्तविक
(1)	(2)	(3)
1.	आंध्र प्रदेश रा० स० प० नि०	— 31.13
2.	असम रा० स० प० नि०	— 17.81
3.	बिहार रा० स० प० नि०	— 26.87
4.	गुजरात रा० स० प० नि०	+ 0.92
5.	हिमाचल प्रदेश रा० स० प० नि०	— 18.38
6.	जम्मू एवं कश्मीर रा० स० प० नि०	— 16.83
7.	कर्नाटक रा० स० प० नि०	— 19.09
8.	केरल रा० स० प० नि०	— 39.54
9.	मध्य प्रदेश रा० स० प० नि०	+ 0.27
10.	महाराष्ट्र रा० स० प० नि०	— 26.72
11.	मणिपुर रा० स० प० नि०	— 1.70
12.	मेघालय रा० स० प० नि०	— 1.71
13.	उड़ीसा रा० स० प० नि०	— 11.77
14.	पेप्सू स० प० नि०	— 17.89
15.	राजस्थान रा० स० प० नि०	+ 13.96
16.	त्रिपुरा रा० स० प० नि०	— 3.49
17.	उत्तर प्रदेश रा० स० प० नि०	— 33.43
18.	उत्तरी बंगाल रा० स० प० नि०	— 7.34
19.	दक्षिणी बंगाल रा० स० प० नि०	— 3.30
20.	कलकत्ता रा० प० नि०	— 21.65
21.	दिल्ली परिवहन निगम	—203.8184

Declaring Godavari and Krishna as National Waterways

3027. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to declare Godavari and Krishna in Andhra Pradesh as National Waterways;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Techno-economic feasibility studies were carried out on the Godavari from Cherla to Rajahmundry and on Krishna from Nagarjuna Sagar Dam to Vijayawada. Though the study on the Godavari indicated viability of coal movement from Cherla to Rajahmundry, the coal production at Cherla Coal Mines as visualised had not been confirmed by M/s. Singareni Collieries Company Ltd. In respect of Krishna, the minimum discharge required for navigation is not available round the year. In addition, low volume of cargo expected and high developmental cost do not justify the viability of development of the waterway for navigation.

Losses incurred by State Roadways Corporations

3028. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that most of the State Roadways/Transport Corporations in the country continue to incur recurring losses particularly due to worn out, old and overused bus fleets;

(b) if so, what are the details of the losses suffered by each State Roadways Corporation during the last three years;

(c) whether government propose to establish a national renewal fund exclusively for the revival of State Road Transport Corporations in the country to make them economically viable and enable them to provide transport facilities to the general public; and

(d) if not, what remedial action Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) Most SRTCs are incurring losses on account of the following main reasons:—

(1) Uneconomic fare structure due to SRTUs inability to obtain timely fare revisions based on the rising input cost;

(2) Concessions given to various sections of the society such as students, the handicapped persons, freedom fighters, journalists as so on;